

६५२३
Shri Raghunatha Temple MSS. Library,
JAMMU

No. १६४६
क

Title नीलकण्ठ स्तोत्रम्

Author

Extent ५ पन्ना Age

Subject स्तोत्र

नीलकण्ठस्तोत्र

नं. १७४७

१८४८ क
 नील केठ
 ५ दमन
 ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ आदिशोभुखर
 पम्भ निवरचंद्रशेषजटाधरं ॥ रुंड
 मालविशाललोचनवाहनं हृषभ
 ध्वजं ॥ नागचर्मत्रिभूलंडवरभस्म
 श्रंगविहंगमं ॥ श्रीनीलकंठहिमा



नीः
१०

लजलथलविष्मनाथविशेष्वरं॥
गंगसंगप्रसंगललिताकामदेव
सुसेवितं॥ नादविंडसयोगसाथ
नयेचवदनत्रिलोचनं॥ इंद्रशाशि
थरसुखसेवितसेवतेसुखदायकं

१

श्रीनीलकण्ठहिमालजलधूलवि
श्रुताद्यविशेष्वरे ॥ २ ॥ ज्योतिर्लिंगसु
लिंगफ्राणिसुनिदिव्यदेवसुसेवि
ते ॥ मालतीतनपुष्पमालागंधदी
पनिवेदिता ॥ अनिलकंभसुकंभड

नी०

२

२

मकूतकलशकांचनसदृशो॥ श्रीनी
लकंडहिमालजलयलविष्वनाथ
विश्वेश्वरम्॥ ३॥ मुकुटकिरीटकिर
णकुंडलमंडिताशिवसन्निधौ॥ कन
करोवाहारमुक्तारोवसेमविशेषत

गोथमर्दनशैलआसनआसनपद्मा
सन॥ श्रीनीलकण्ठहिमालजलयल
विश्वनाथविश्वेश्वरम्॥४॥ मेघडंवर
कत्रधारणचरणकमलरसातल॥ ५
श्वरश्चपरमदनमूरतगौरीसंगसदा

नी
३

3

शिवं॥ क्षेत्रपालसुपालभैरवऊरु
मनवग्रहसेविते॥ श्रीनीलकंठहि
मालजलधूलविष्णुनाथविशेष
रम्॥ ५॥ त्रिसुरदैत्यसुदैत्यदानव
प्राप्यतेफलदायकं॥ रावणादशक

मलमस्तकच्रेगजलधरशायिने
श्रीरामचंद्रसुचंद्ररघुपतिसेविते
वनवासिते॥ श्रीनीलकंठहिमाल
जलधलविश्वनाथविशेष्वरम्॥ ६
रुद्ररूपस्वरूपतेजसभक्ष्यमानह १

नी
ध

4

लाहले॥ गगनविगलितअमृत
धारणाआदिअन्नसमाहित॥ काम
ऊँजरसनीकेसरमहाकालविशेष
रम्॥ श्रीनीलकण्ठहिमालजलयल
विश्वनाथविशेषरम्॥ ७॥ मथितद

पिजलशेषविगलितब्रह्ममेरुसमे
 रके॥ सर्वविष्णुजलदीपप्रणवतश्च
 अनेत्ररचोरके॥ महादेवसुदेवसुव
 पतिसर्वविष्णुविष्णुभरे॥ श्रीनील
 केठ॥ ५॥ ऋतवसंतवैत्रचौदशप्राण

७३

नी
थ

5

नेफलदायकं॥ पूर्वकाशीभवेद्दासी
प्रातर्मंगलदायकं॥ अंबकेतटभैज
नाथशैलमूलमहेश्वरं॥ श्रीनील
कंठहिमालजलधलविश्वनाथवि
शेष्वरम्॥ ५॥ इति श्रीनीलकंठस्तोत्रं॥